CITY BRIEFS

ब्रज गोपी के भाव सुन जगतगुरु हुए मंत्रमुग्ध

AGRA : पदम विभूषण तुलसी पीठाधीश्वर जगतगुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज के 74वां जन्मत्सव की पूर्व संध्या पर श्री बालाजी गौशाला संस्थान एवं पुजारी परिवार, सालासर के तत्वाधान में आयोजित ब्रज रत्न वन्दनाश्री मथुरा द्वारा श्री कृष्ण रस धारा का दिव्य मंचन प्रस्तुत हुआ. देश विदेश में रास संगीत एवं लोक संगीत का परचम लहराने वाली अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ब्रज रत्न वन्दनाश्री की सुमधुर भाव में भजनामृत ने सदगुरुदेव भगवान जगतगुरु परम पूज्य श्री रामभद्राचार्य को भाव विभोर कर दिया, गोपी भाव पर मोहित हो राधा रानी की महिमा का गुणगान कर गुरुदेव ने स्वयं की वाणी में रसिया सुना कर लट उलझी सुलझा जा रे मोहन, मेरे हाथ मेहंदी लगी, स्वयं भी ग्वाल भाव उत्पन्न कर दिया. कार्यक्रम का शुभारंभ गौशाला अध्यक्ष रविशंकर पुजारी, उत्तराधिकारी आचार्य रामचंद्र दास, यज्ञ सम्राट बालयोगेश्वर दास महाराज,दीपक शर्मा, दामोदर शर्मा एवं समस्त पुजारी परिवार द्वारा किया गया.